ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 261283436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579 रेलवे : 62101, 62158
फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 23 | अंक : 91 | अक्तूबर – दिसंबर 2019

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. इरिसेन दिवस समारोह
2. इरिसेन में प्रशिक्षित अधिकारियों का मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
3. मुख्य इंजीनियर / ट्रैक प्लानिंग का सेमिनार
4. सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं राष्ट्रीय एकता दिवस
5. उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का नामन
6. स्वागत / विदाई
7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

इरिसेन परिवार सभी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता है और भरपूर ज्ञान समृद्धि की कामना करता है ।

ज्ञानदीप के 23 वें वर्ष का यह आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। संस्थान ने वर्ष 2019 के दौरान इरिसेन में प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। संस्थान में गत वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं जिसमें प्रशिक्षण के सामग्री/उपकरण को उन्नत बनाने के लिए सभी कोड़, मैनुअल्स को अपडेट कर वेबसाइट पर रखा गया है। वेबसाइट को री–डिजाइन कर द्विभाषी बनाया गया है, साथ–साथ एक मोबाइल साइट इरिसेन में उपलब्ध संसाधनों की सहायता से बनाई है जिससे कोड़, मैनुअल्स, ई–मॉड्यूल इत्यादि मोबाइल के माध्यम से पढ़े जा सकते है। ग्रुप **'सी'** स्टाफ के लिए पी–वे, ब्रिज तथा वर्क्स से संबंधित मॉड्यूल बनाए गए है। सुपरवाइजर्स के लिए रिफ्रेशर कोर्स का प्रारंभ एस.एस.टी.डब्ल्यू में प्रारंभ हो गया है।

ई–मॉड्यूल में प्रेजेन्टेशन, वीडियो, ऑडियो, ब्लॅक बोर्ड राइटिंग का एकत्रीकरण है तथा एक सेल्फ कन्टेंट मॉड्यूल है। लैब के लिए वायरलेस लोकलाइज्ड सर्वर क्रिएट किया गया है, जिससे डिजिटल लैब के कंन्टेट आसानी से देखे जा सकते हैं, जो लैब पहले से ही डिजिटल थी उसे गत वर्ष के दौरान टी.वी डिस्पले लगाकर वर्चुअल लैब में कन्वर्ट कर दिया गया है, साथ ही मॉडल रूम को भी डिजिटल कर दिया गया है।

इरिसेन के अलावा एस.एस.टी.डब्ल्यू में भी ऑन लाईन परीक्षा प्रारंभ कर दी गई है। छात्रावास के कमरों की स्थिति, रिक्तता की अद्यतन जानकारी के लिए आंतरिक मॉड्यूल बनाया गया है, साथ ही मेस मेन्यू अब डिजिटल डिस्पले किया जाता है। इरिसेन में नियमित पाठ्यक्रम के अलावा डी.एफ.सी.सी.आई, आर.वी.एन.एल, राईट्स, एमईएस, एम.आर.आई.डी.सी. के 155 अधिकारियों एवं सुपरवाइजर्स को भी प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया।

संस्थान की समग्र गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा 'ज्ञानदीप' सूचना पत्र के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। भविष्य में भी निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। आपकी प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझाव का इंतजार है.....

–संपादकीय

1. इरिसेन दिवस समारोह

इरिसेन में दिनांक 23 नवंबर, 2019 को इरिसेन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर महानिदेशक, भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी (NAIR) एवं महाप्रबंधक / पश्चिम मध्य रेल श्री अनिल कुमार गुप्ता तथा महाप्रबंधक/मध्य रेल श्री संजीव मित्तल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री गुप्ता एवं श्री मित्तल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री अनिल कुमार गुप्ता, महानिदेशक, भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी (NAIR) एवं महाप्रबंधक / पश्चिम मध्य

संरक्षक
अजय गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
जी. एस. यादव
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल–2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

रेल, श्री संजीव मित्तल, महाप्रबंधक / मध्य रेल एवं श्री अजय गोयल, निदेशक/इरिसेन मंच पर उपस्थित थे। श्री एम.एस. एकबोटे, सेवानिवृत्त, अपर सदस्य सिविल इंजी. रेलवे बोर्ड, श्री विनोद कुमार, सेवानिवृत्त महाप्रबंधक / मेट्रो रेल, कोलकाता, श्री एस.डी.लिमये, सेवानिवृत्त मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं रिटायर्ड अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश कुमार शेखावत, वरिष्ठ प्राध्यापक/ प्रोजेक्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री अजय गोयल, निदेशक, इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में इरिसेन जो पहले से ही एक उच्च स्तर का संस्थान है उसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के संबंध में बात कही। गतिशील नेतृत्व और मार्गदर्शन के तहत, इरिसेन विशेष रूप से प्रोबेशनरी अधिकारियों के विकास के लिए सदैव कार्यरत रहेगा। आपने अपने इरिसेन में प्रोबेशन अवधि के समय को याद किया और उस दौरान हुए बदलाव को सभी के समक्ष रखा।

श्री संजीव मित्तल, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने अपने संबोधन में कहा कि इरिसेन उनके लिए एक महत्वपूर्ण है।अपने प्रशिक्षण के बीते दिनों को याद किया और वर्तमान इरिसेन के रूप को देखते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। अपने प्रशिक्षण के दौरान प्राध्यापक प्रशिक्षण एवं अन्य गुरूजनों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

श्री अनिल कुमार गुप्ता, महानिदेशक, (NAIR) एवं महाप्रबंधक. पश्चिम मध्य रेल ने अपने संबोधन में कहा कि इरिसेन यह भारतीय रेल के प्रशिक्षण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संगठन है। इस संस्थान को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए हमें और अधिक तेजी से कार्य करने होंगे। अपने लक्ष्य को सदैव समय से समाप्त करना होगा।

प्रत्येक रेल सदस्य को अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए कि उसे दिए गए कार्य को समय पर पूरा करे जिससे रेल को किसी प्रकार की हानि न हो। इरिसेन ने रेलवे बोर्ड के आदेशों पर अमल करते हुए सर्वप्रथम सुपरवाइजर्स के लिए पी–वे, ब्रिज, वर्क्स में प्रशिक्षण को आसान बनाने की दृष्टि से नए मॉडयूल बना लिए हैं और सुपरवाइजर्स के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का भी प्रारंभ हो गया है। रेलवे की उन्नति हेतु विदेशी तकनीक के ज्ञान को हासिल करने के लिए अब अधिकारियों को प्रशिक्षण पर भेजा जा रहा है। आपने आशा व्यक्त की, कि इन्हीं प्रयासों के बल पर इरिसेन भारतीय रेल पर प्रथम क्रमांक की ओर अग्रसर है। संस्थान में किए गए उन्नत कार्यों की सराहना की।

1993 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा आपने कहा कि भारतीय रेल की उन्नति एवं उत्कृष्ट संचलन की जिम्मेदारी भी आप सभी के कंधो पर है।

इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग), रेलवे बोर्ड श्री गुप्ता ने 1993 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को सेवा की रजत जयंती के अवसर पर स्मृति चिन्ह प्रदान किए तथा इरिसेन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

संस्थान को अपनी 25 वर्ष की रेल सेवा पूरी करने के उपलक्ष्य में 93 बैच के अधिकारियों ने छात्रावास के मनोरंजन कक्ष में **''सोनी हाई पॉवर ऑडियो सिस्टम''** भेंट किया।

इरिसेन दिवस के अवसर पर दिनांक 07 नवंबर, 2019 को "Trends of Rail/weld Failures over Indian Railways their Analysis Solutions" एवं दूसरे सत्र में "Solutions to Various Problems Encounted during Construction of New Railway lines, Dubling Tripling of Existing Railway Routes and Construction of Metro Line" विषय पर तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें सिल्वर जुबली बैच के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सेमिनार में अध्यक्ष एवं सह अध्यक्ष के रूप में श्री एम. एस. एकबोटे, सेवानिवृत्त अपर सदस्य सिविल इंजी. रेलवे बोर्ड, श्री अरविंद कुमार, सेवा निवृत्त/ महा प्रबंधक, राइट्स, श्री रमेश पिंजानी, संकाय अध्यक्ष / इरिसेन एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

सेमिनार में श्री कन्हैया झा, CPM/1,MVC , श्री अनिल चौधरी, वरिष्ठ प्राध्यापक/ट्रैक मशीन, इरिसेन, श्री वाय.एच.राठौड़, DRM/O/ NGP/SECR , श्री अनिसुर रहेमान, GM/TMS Civil /CRIS , श्री आशुतोष गुप्ता, DRM/CSTM/CR , श्री अमरदीप सिंह ओबेरॉय, CPM/संबलपुर, श्री नरेश एच. गुरबानी, ED/T PS/MMRCL, श्री गौतम बिरहाड़े, ED (सिविल), महा मेट्रो, पुणे, श्री अशोक कुमार, ED /GE/RDSO, श्री वी.आर. नायडु, CPM/RVNL/NL/WT आईआरएसई बैच 1993 के अधिकारियों ने इस दौरान पेपर्स प्रस्तुत किए ।

इरिसेन दिवस की पूर्व संध्या पर भा.रे.इंजी.सेवा के परिवीक्षार्थियों द्वारा बड़े उत्साहपूर्वक एवं उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें इरिसेन गुलदस्ते से छोटे – बड़े सभी प्रांतों से फूलों को अपनी रंगों एवं सुगंध को प्रसारित करने का अवसर मिला। विशेष रूप से कार्यक्रम के अंत में 93 बैच के अधिकारियों द्वारा ''93 बैच के अनुभव'' लघु नाटिका का मंचन किया गया। जिसके सूत्रधार श्री संजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक थे। इस कार्यक्रम का उपस्थित सभी दर्शकों ने लाभ उठाया। इस कार्यक्रम का संचालन मुख्य इंजीनियर, (निर्माण) श्री संजीव शर्मा ने किया।

2. इरिसेन में प्रशिक्षित IRSE अधिकारियों का मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान

हर वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस पर IRSE अधिकारी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए जाते हैं। 62 वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2015 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है :–

इरिसेन स्वर्ण पदक, आर. के. जैन रोलिंग शील्ड एवं वी. सी. पद्मनाभन नकद पुरस्कार ₹2000 – यह स्वर्ण पदक एवं रोलिंग शील्ड संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में आयोजित पाठ्यक्रमों, फील्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को प्रदान किया जाता है। यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री आर. के. जैन के सम्मान में स्थापित की गई है तथा एक पुरस्कार पूर्व सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री वी.सी. पद्मनाभन के सम्मान में स्थापित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करनेवाले IRSE Probationer अधिकारी को यह नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2015 की कु. दिप्ती शर्मा, सहा. मंडल इंजी. विदिशा, पश्चिम मध्य रेल को उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक से सम्मानित किया गया।

इरकॉन स्वर्ण पदक एवं वी. के.जे.राणे, रोलिंग ट्रॉफी – यह स्वर्ण पदक इरकॉन इंटरनेशनल लमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है तथा ट्रॉफी पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर इरक़ॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले Leadership, Sports और Cultural क्रियाकलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE Probationer अधिकारी को यह मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2015 की कु. संदीपिका यादव, सहा. मंडल इंजी. दानापुर, पूर्व मध्य रेल को मेडल एवं वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया ।

आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी एवं मेडल – यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को प्रदान की गई । भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2015 के श्री ऐश्वर्य आलोक, सहा. मंडल इंजी. कोटा, पश्चिम मध्य रेल को आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को IPWE(I) स्वर्ण पदक/रजत पदक से सम्मानित किया गया। यह पदक IPWE(I) इरिसेन पुणे द्वारा स्थापित किया गया है। स्वर्ण पदक से सम्मानित श्री अबदस समद, DEN/MFP/ECR, श्री शैलेन्द्र कुमार, DEN/Jaipur/NWR, श्री गिरराज सिंह, XEN/NDLS/NR तथा रजत पदक से सम्मानित श्री भावेश कुमार भारद्वाज, XEN/NCR, श्री राजाराम मीना, DEN/Bhilwara/NWR, श्री पी.डी. सोनवने, DEN/Daund/CR , पाठ्यक्रम संख्या क्रमश: 18103, 19101, 19102 है।

समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा 1993 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को स्मृति चिह्न तथा वर्ष में समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल प्रदान किए गए।

3. मुख्य इंजीनियर / ट्रैक प्लानिंग का सेमिनार

दिनांक 12 एवं 13 दिसंबर, 2019 को मुख्य सामान्य इंजीनियर / ट्रैक प्लानिंग के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यकारी निदे./ट/ सि.इंजी. आरडीएसओ एवं निदेशक TK/M/ रेलवे बोर्ड ने भी इस सेमिनार में उपस्थिति दर्शायी एवं प्रतिभागियों को संबोधित किया।

विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के 22 मुख्य इंजीनियरों ने सेमिनार में हिस्सा लिया। सेमिनार में कार्यसूची मदों पर एवं निविदा प्रणाली/ठेका/SD/IREPS/TMS एवं MSME, ठेका स्लीपर प्लांट से संबंधित मदों पर चर्चा की गई। आरडीएसओ द्वारा निरीक्षण एवं ठेके की दरें इत्यादि विविध मदों पर चर्चा की गई।

4. सतर्कता जागरुकता सप्ताह एवं राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान पर दिनांक 28 अक्तूबर से 02 नवंबर 2019 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए दिनांक 25 अक्तूबर, 2019 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 31.10.2019 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर भ्रष्टाचार से संबंधित 'ईमानदारी एक जीवनशैली' एवं 'सरदार वल्लभ भाई पटेल की राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका' विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 31.10.2019 को सुबह में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ''एकता दौड़'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

(प्रारंभ)

(समाप्ति)

5. उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का स्वागत

श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक-पुल 1 दिनांक 27 मार्च 2018 से 13 नंवबर 2019 तक संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी के पद पर रहे थे। राजभाषा के क्षेत्र में आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान आपकी सराहना करता है तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री जी.एस.यादव, प्राध्यापक – पुल 2 ने दिनांक 13 नंबवर, 2019 से संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का पदभार ग्रहण किया है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

6. स्वागत / विदाई

श्री अनिल कुमार, प्राध्यापक/प्रोक्योरमेंट ने दिनांक 22 नंवबर, 2019 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है । इरिसेन में आने से पूर्व आप रेलवे बोर्ड में निदेशक/ सिविल(सामान्य) के पद पर कार्यरत थे । श्री अनिल कुमार, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं। आपने पूर्व में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/ समस्तीपुर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, दानापुर, उप मुख्य इंजीनियर / कोसी ब्रिज, कार्यकारी इंजीनियर, थाना बिहरपुर, कार्यकारी इंजीनियर, राजगीर, पूर्व मध्य रेल तथा सहायक इंजीनियर, विजयनगरम, दक्षिण मध्य रेल इत्यादि पदों पर कार्य किया है। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत सहायक मंडल इंजीनियर,रेराखोल के रूप में पूर्व तटीय रेल से की । साथ ही इरिसेन में आपने पदोन्नति पर दि. 27/12/2019 को वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपकी पदोन्नति के लिए बधाई एवं इरिसेन में हार्दिक स्वागत करता है।

श्री सत्य प्रकाश, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल -1 ने दिनांक 27 नंवबर, 2019 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है । इरिसेन में आने से पूर्व आप प्रधान मुख्य इंजीनियर/रेल विद्युतीकरण/इलाहाबाद के पद पर कार्यरत थे। श्री सत्य प्रकाश, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1988 बैच के अधिकारी हैं। आपने पूर्व में उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (सामान्य), मुख्य इंजीनियर (निर्माण) एवं निदेशक/रेलपथ/आरडीएसओ,संयुक्त महाप्रबंधक/टी.आर.पी,ईपोह /मलेशिया, निदेशक/सतर्कता-2 रेलवे बोर्ड, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/ इंजीनियरिंग एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पूर्व), पश्चिम रेलवे, मुंबई, कार्यपालक इंजीनियर (निर्माण), जयपुर एवं ब्यावर इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत सहायक इंजीनियर, सुरेन्द्रनगर के रूप में पश्चिम रेल से की। वर्तमान में आप संकाय अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री एल. एन. निर्मलकर,** अनुदेशक – रेलपथ की पदोन्नति इरिसेन में ही समूह 'ख' में सहायक प्राध्यापक – रेलपथ –3 के पद पर हुई है। इरिसेन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

संस्थान में कार्यरत **श्री रमेश पिंजानी**, संकाय अध्यक्ष की पदोन्नति उच्च प्रशासनिक श्रेणी में हुई है एवं आरडीएसओ में प्रधान कार्यकारी निदेशक/ब्रिज के पद पर स्थानांतरित हुए हैं। आपको दिनांक 27.12.2019 को संस्थान से भारमुक्त किया गया। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री विनीत गुप्ता,** वरिष्ठ प्राध्यापक – पुल 1 की पदोन्नति एवं स्थानांतरण मंडल रेल प्रबंधक / रतलाम के पद पर हुई है। आपको दिनांक 18.11.2019 को संस्थान से भारमुक्त किया गया। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री महेश डेकाटे,** प्राध्यापक – प्रोक्योरमेंट, की पदोन्नति एवं स्थानांतरण महा मेट्रो/पुणे में मुख्य परियोजना प्रबंधक, (सिविल) के पद पर हुई है। आपको दिनांक 08.11.2019 को संस्थान से भारमुक्त किया गया। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संस्थान में कार्यरत **श्री डी. ए. हरोलीकर**, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी / लेखा की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 दिसंबर, 2019 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट-सत्र सं. 19103

प्रथम

संजीव कुमार
सहा.कार्यकारी इंजी./
कपूरथला/RCF

द्वितीय

पुशकल कुमार देवांगण
सहा.मंडल इंजी./
भिलाई/द.पूर्व म. रेल

तृतीय

विवेक नारायने
सहा.मंडल इंजी./
राजकोट / पश्चिम रेल

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज और नई स्फूर्ति प्रतिभा के लक्षण हैं। –आचार्य विनोबा भावे

जी. एस. यादव, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे- 1 द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित